Important Questions

(भाग – 1)

पाठ - 9

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार

लघु उत्तरात्मक प्रश्न:

प्र-1 दक्षिणी अमेरिकी राष्ट्रों में ओपेक का सदस्य कौन-सा है।

उत्तर- वेनेजुएला

प्र-2 विश्व के किस महाद्वीप में व्यापार का सर्वाधिक प्रवाह होता है ?

उत्तर- यूरोप

प्र-3 विश्व व्यापार संगठन का मुख्यालय कहाँ पर है ?

उत्तर- जिनेवा (स्विटजरलैंड)

प्र-4 साफ्टा (साउथ एशियन फ्री ट्रेंड एग्रीमेंट) का गठन कब हुआ था।

उत्तर- जनवरी 2006

प्र-5 आज विश्व में कितने प्रादेशिक व्यापार समूह है ?

उत्तर- 120 प्रादेशिक व्यापार समूह

अतिलघु उत्तरात्मक प्रश्न:

प्र-6 दिसम्बर 2005 में कितने देश विश्व व्यापार संगठन के सदस्य थे ?

उत्तर- 149 देश

प्र-7 व्यापार का अर्थ स्पष्ट करो ।

उत्तर- व्यापार का तात्पर्य वस्तुओं और सेवाओं के इच्छानुसार आदान-प्रदान से होता है। इसमें दो पक्षों का होना आवश्यक है। एक पक्ष जो बेचता है तथा दूसरा खरीदता है।

प्र-8 आदिम समाज की 'विनिमय व्यवस्था' का अर्थ स्पष्ट करो ।

उत्तर- आदिम समाज में व्यापार का आरंभिक स्वरूप 'विनिमय व्यवस्था कहलाता था। इसनें वस्तुओं का प्रत्यक्ष आदान-प्रदान होता था अर्थात् रूपये के स्थान पर वस्तु के बदले वस्तु दी जाती थी।

प्र-9 'सैलेरी' शब्द का अर्थ क्या है ?

उत्तर- 'सैलरी' शब्द लैटिन शब्द 'सैलेरिअम' से बना है जिसका अर्थ है नमक के द्वारा भुगतान। क्योकि उस समय केवल खनिज से नमक बनाया जा सकता था जो दुर्लभ व खर्चीला था इसीलिए यह भुगतान का माध्यम बना।

प्र-10 'रेशम मार्ग' क्या है ?

उत्तर- 'रेशम मार्ग' लम्बी दूरी के व्यापार का आरंभिक उदाहरण है जो रोम को चीन से जोड़ता था। इस मार्ग के द्वारा व्यापारी चीन में बने रेशम, रोम की ऊन व बहुमूल्य धातुओं का परिवहन करते थे।

प्र-11 'दास व्यापार' शब्द का अर्थ क्या है ?

उत्तर- 15वीं शताब्दी में यूरोपीय उपनिवेशवाद शुरू हुआ और इसके साथ ही व्यापार के एक नए स्वरूप का उदय हुआ जिसे 'दास व्यापार' कहा गया। इसके अंतर्गत पुर्तगालियों, डचों, स्पेनिश लोगों और अंग्रेजों ने अफ्रीकी मूल निवासियों को पकड़कर बलपूर्वक उन्हें बागानों में श्रमिको लिए परिवहित किया।

प्र-12 'मुक्त व्यापार की स्थिति' का अर्थ स्पष्ट करो ।

उत्तर- व्यापार हेतु अर्थव्यवस्थाओं को खोलने का कार्य मुक्त व्यापार या व्यापार उदारीकरण के रूप में जाना जाता है। यह कार्य व्यापारिक अवरोधों जैसे सीमा शुल्क को घटाकर किया जाता है। मुक्त व्यापार घेरलू उत्पादों एवं सेवाओं से प्रतिस्पर्धा करने के लिए सभी स्थानों से वस्तुओं और सेवाओं के लिए अनुमति प्रदान करता है।

प्र-13 'प्रादेशिक व्यापार समूह' का आशय स्पष्ट करो ।

उत्तर- व्यापारिक मदों में भौगोलिक समीपता, समरूपता तथा पूरकता के साथ देशों के मध्य व्यापार को बढ़ानें के उद्देश्य से प्रादेशिक व्यापार समूह अस्तित्व में आए है। ये कुछ चुने हुए देशों के समूह है जो सदस्य राष्ट्रों में व्यापार शुल्क को हटा देते है और मुक्त व्यापार को बढ़ावा देते है।

प्र-14 विनिमय व्यवस्था की प्रमुख दो कठिनाइयों का उल्लेख कीजिए। (बोर्ड परीक्षा-2013)

उत्तर- विनिमय व्यवस्था की प्रमुख कठिनाइयाँ -

1. सही खरीददार पाना कठिन है क्योंकि जरूरी नहीं कि जो जरूरत चीज बेचनी है उसे दूसरा व्यक्ति खरीदे ।

2. सही विक्रेता पाना कठिन है क्योंकि जिस वस्तु की हमें जरूरत है उसे कौन बेचना चाहता है यह जानना भी कठिन है।

3. उचित मूल्य का निर्धारण कठिन है क्योकि प्रत्येक वस्तु का मूल्य अलग अलग होता है और विनिमय के दौरान वस्तुओ का मूल्य लगाना बहुत मुश्किल होता है।

प्र-15 विश्व व्यापार संगठन का गठन कब हुआ ?इसका पुराना नाम क्या था ?

उत्तर- विश्व व्यापार संगठन का गठन 1995 में हुआ। इसका पुराना नाम था गेट् (जनरल एग्रीमेंट ऑन ट्रेफिक एण्ड ट्रेंड) ।

प्र-16 सार्क तथा ओपेक के मुख्यालय कहाँ है ?

उत्तर- सार्क - काठमाण्डू (नेपाल)

ओपेक - वियना (आस्ट्रिया)

लघुत्तरात्मक प्रश्न:

प्र-1 आयात तथा निर्यात में अन्तर स्पष्ट कीजिए । इनका व्यापार संतुलन से क्या संबंध है ?

उत्तर- आयात वस्तुओं को क्रय करने की क्रिया को आयात कहते है। आयात व्यापार का एक अभिन्न अंग है किसी देश में जिन वस्तुओं और सेवाओं की कमी होती है। वह देश दूसरे देशों से उन वस्तुओं तथा सेवाओं को क्रय करता है। इस क्रिया को आयात कहते है। आयात की क्रिया के कारण विदेशी पूंजी का व्यय होता है।

निर्यात यह भी व्यापार का एक महत्वपूर्ण अंग है। यह क्रिया मुख्यतः अतिरिक्त उत्पादन वाले देशों के द्वारा की जाती है। वहां अतिरिक्त उत्पादन को दूसरे देशों को विक्रय कर दिया जाता है। इस क्रिया के द्वारा विदेशी मुद्रा अर्जित होती है।

आयात और निर्यात का सीधा सम्बन्ध व्यापार सन्तुलन से होता है। जहां आयात ज्यादा होता है तथा निर्यात की क्रिया कम होती है। वहां प्रतिकूल व्यापार सन्तुलन होता है। जिस देश में आयात की क्रिया ज्यादा होती है वहां अनुकुल व्यापार संतुलन होता है।

प्र-2 अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के तीन महत्वपूर्ण पक्षों का विश्लेषण किजिए ?

उत्तर- अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के तीन महत्वपूर्ण पक्ष:-

व्यापार का परिणाम:- व्यापार की गई वस्तुओं का वास्तविक तौल परिमाण कहलाता है। सभी प्रकार की व्यापारिक सेवाओ को तौला नहीं जा सकता इसीलिए व्यापार की गई वस्तुओं व सेवाओं के कुल मूल्य को व्यापार का परिमाण के रूप मे जाना जाता है।

व्यापार संयोजन:- व्यापार संयोजन से अभिप्राय देशों द्वारा आयतित व निर्यातित वस्तुओं व सेवाओं ने इसका स्थान ले लिया आजकल सेवा सेक्टर में भारी आदान-प्रदान होता है।

व्यापार कई दिशा पहले विकासशील देश कीमती वस्तुओ तथा शिल्पकला की वस्तुओं आदि का निर्यात की जाती थी। 19वीं शताब्दी में यूरोपीय देशों ने विनिर्माण वस्तुओं को अपने उपनिवेशो से खाद्य पदार्थ व कच्चे माल के बदले निर्यात करना शुरू कर